3 मार्च, 1986
फाल्गुन, 1907 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद
का
हिन्दी संस्करण

पांचवां सत्र
(आठवीं लोक सभा)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

Date...

मूल्य : चार रुपये

विषय-सूची

अष्टम माला, खंड 13 पांचवां सत्र, 1986/1907 (शक)

अंक 7 सोमवार, 3 मार्च, 1986/12 फाल्गुन, 1907 (शक)

विषय	पृष्ठ
निधन सम्बन्धी उल्लेख	1—5
(स्वीडन के प्रधान मंत्री श्री ओलोफ पाल्मे का निधन	

लोक सभा

सोमवार 3 मार्च, 1986/12 फाल्गुन, 1907 (शक)

लोक सभा 11 बजे समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुये)

निधन सम्बन्धी उल्लेख

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : प्रधान मंत्री महोदय।

प्रधान मंत्री (श्री राजीव गांधी) : महोदय, स्वीडन के प्रधान मंत्री श्री ओलोफ पाल्मे की घृणित हत्या का समाचार सुनकर हमें अत्यंत दुख हुआ है तथा गहरा धक्का पहुँचा है केवल कुछ दिन पहले ही वह दिल्ली में थे और हम आपस में मिले थे। वे शान्ति, निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिये संघर्ष करते रहे। उन्होंने कई अवसरों पर इन्दिरा जी के साथ मिलकर काम किया। जनवरी, 1985 में दिल्ली डिक्लेरेशन पर हस्ताक्षर करते समय मैं उनके साथ था।

वह "इन्डिपेन्डेन्ट कमीशन फार इंटरनेशनल सिक्योरिटी एण्ड कोआपेरेशन" (अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा तथा सहयोग सम्बन्धी स्वतंत्र आयोग), जिसे पाल्मे कमीशन के नाम से जाना जाता है, के चेयरमैन थे। उन्होंने निरस्त्रीकरण और उत्तर-दक्षिण संबंधी मामलों के बारे में कई प्रकार के कार्य करने में पहल की।

विश्व ने एक ऐसा व्यक्ति खो दिया है जो विश्व में शांति स्थापित करने और समानता लाने के लिये सदैव संघर्ष करता था। भारत ने एक मित्र खो दिया है।

श्री सी० माधव रेड्डी (आदिलाबाद) : मैं स्वीडन के प्रधान मंत्री की नृशंस हत्या पर गहरा शोक व्यक्त करता हूँ। मैं सभा के नेता की भावनाओं से सहमत हूँ कि हमने एक महान मित्र तथा शांति और मित्रता के लिये संघर्ष करने वाला एक व्यक्ति खो दिया हूँ। मैं तेलुगू देशम दल की ओर से अपनी श्रद्धांजली अर्पित करता हूँ।

श्री एस० जयपाल रेड्डी (महबूब नगर) : माननीय प्रधान मंत्री द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं से सहमत होना मैं अपना कर्तव्य समझता हूं।

श्री पाल्मे मात्र एक देश के प्रधान मंत्री नहीं थे। वह विश्व में लोकतंत्रीय समाजवाद के सच्चे समर्थकों में से एक थे। उनके निधन से न सिर्फ शांति का एक दूत हमसे दूर हो गया है। बल्कि उनके निधन से स्केण्डेनेवियन देशों, विशेष रूप से स्वीडन में निर्मित अद्भुत मुक्त समाज को गहरा धक्का पहुँचा है।

यह बात अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि स्वीडन के प्रधानमंत्री अपनी पत्नी के साथ अज्ञात रूप से सडक पर जा रहे थे, तथा जब उन्हें गोली मार दी गई और पुलिस उनके पास पहुंची तो प्रधानमंत्री की पत्नी को चिल्लाकर यह कहना पड़ा कि वह लिस्बेय पाल्मे हैं तथा जिस व्यक्ति को गोली मारी गई वह और कोई नहीं, बल्कि स्वीडन के प्रधानमंत्री हैं।

आपको इस बात का स्मरण होगा कि पाल्मे एक असाधारण राजनीतिज्ञ थे।

1968 में एक मंत्री होते हुये भी उन्होंने दक्षिण वियतनाम में अमरीकी अत्याचारों के विरूद्ध विरोध प्रकट करते हुये स्वीडन की सड़कों पर उत्तर वियतनाम के एक राजनयिक के साथ चलकर नैतिक साहस दिखाया था। यह समूची मानवना के लिये भारी चिन्ता का विषय है कि एक ऐसे व्यक्ति को गोली मारकर हत्या कर दी गयी।

श्री सुरेश कुरुप (कोट्टायम) : सी०पी०आई० (एम०) स्वीडन के प्रधानमंत्री श्री ओलोफ पाल्मे की नृशंस हत्या पर इस सभा में तथा विश्व में व्यक्त की गयी संवेदनाओं से सहमत हैं। यह बात और भी आश्चर्यजनक है कि ऐसी घटना स्वीडन में हुई जहां पर राजनैतिक हत्या का नाम ही नहीं सुना गया। शांति और आणविक निरस्त्रीकरण के चेम्पियन की मृत्यु पर मैं सी०पी० आई० (एम०) की ओर से अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री पी० कुलन्दईवेलु (गोबिचेट्टिपालयम) : ए०आई०ए०डी०एम०के० की ओर से हम श्री ओलोफ पाल्मे के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। वे भारत के सच्चे मित्र थे और उन्होंने अनेक वर्षों तक भारत और स्वीडन के बीच अच्छे संबंध बनाये थे। मुझे ठीक से याद है, जब मां इन्दिरा सत्ता में थीं, उस समय श्री पाल्मे ने कहा था, "इन्दिरा गांधी न सिर्फ भारत की माता है अपितु वह विश्व की माता हैं।" वह ही ऐसे व्यक्ति थे जो कि स्वीडन में चौथी बार प्रधान मंत्री के पद पर आसीन हुए। 59 वर्ष की आयु में उन्हें गोली मार दी गई, यह न सिर्फ भारत के लिये ही नही अपितु पूरे विश्व के लिये दुखद घटना है उनकी मृत्यु पर हम अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं तथा अनुरोध करते हैं कि शोक संतप्त परिवार तक हमारी सांत्वना पहुंचाये।

श्री बलवंत सिंह रामूवालिया (संगरूर) : स्वीडन के प्रधानमंत्री श्री पाल्मे के दुःखद निधन पर माननीय प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी द्वारा व्यक्त की गयी भावनाओं से मैं, शिरोमणी

अकाली दल की ओर से, सहमत हूं। वे भारत के बहुत बड़े एवं सच्चे मित्र थे। उन्होंने पददलितों के कल्याण के लिये संघर्ष किया। उन्होंने विस्तारवादी और हमलावार शक्तियों के नापाक इरादों के विरूद्ध भी संघर्ष किया। मैं इस अवसर पर हिंसा तथा आतंकवादी रवैये की निन्दा करता हूं जो कि विश्व के लिये गहरा खतरा बनती जा रही है। मैं स्वीडन के महान लोगों के साथ अपनी गहरी संवेदना एवं दुःख प्रकट करता हूं।

श्री दिनेश गोस्वामी (गुवाहाटी) : श्री पाल्मे के निधन पर प्रधानमंत्री तथा मेरे अन्य सहयोगियों द्वारा व्यक्त की गयी शोक संवेदनाओं से अपने दल की ओर से मैं सहमति व्यक्त करता हूँ। चाहे वह किसी पद पर रहे अथवा नहीं, किन्तु वह विश्व शांति के लिये और परमाणु निरस्त्रीकरण के लिये सतत् रूप से संघर्षशील रहे। वियतनाम में किये जा रहे अत्याचारों के खिलाफ जब यूरोप में विरोध उठा तब उन्होंने, स्वीडन के तटस्थ राष्ट्र होने के बावजूद, वियतनाम पर आक्रमण का विरोध करने का नैतिक साहस दिखाया। उनके निधन से पूरी मानवता को क्षति हुई है। हम आशा करते हैं कि आप हमारी संवेदनाओं को स्वीडनवासियों एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों तक पहुँचायेंगे।

प्रो० सैफुद्दीन सोज (बारामूला) : माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वीडन के प्रधानमंत्री श्री ओलोफ पाल्मे की दुखद हत्या के बारे में इस सदन के नेता श्री राजीव गांधी द्वारा व्यक्त की गयी भारत की चिन्ता और दुख से मैं जम्मू और कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस की ओर से सहमत हूँ। ऐसे मोके पर यह प्रश्न उठता है : आतंकवादी का धर्म क्या होता है ? ओलोफ पाल्मे ने क्या अपराध किया था, वह चाहते थे कि स्वीडन विश्व में शांति और सद्भाव बढ़ाने के लिये महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। हम भारत में आतंकवाद के आयामों से भलीभांति परिचित हैं तथा हम यह भी जानते हैं कि आतंकवाद देश की एकता एवं अखंडता के लिये किस तरह खतरा पैदा कर सकता है। अतः हम आतंकवाद का तिरस्कार एवं निन्दा करते हैं चाहे वह भारत में या विश्व में कहीं पर भी हो। मैं इस अवसर पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं तथा श्री पाल्मे के निधन पर सदन के नेता द्वारा व्यक्त किये गये दुःख से मैं सहमत हूं।

श्री इब्राहीम सुलेमान सेट (मंजेरी) : माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वीडन के प्रधानमंत्री श्री ओलोफ पाल्मे की नृशंस हत्या पर प्रधानमंत्री तथा विपक्ष के अन्य नेताओं द्वारा व्यक्त किये गये दुःख और शेष से मैं इंडियन मुस्लिम लीग की ओर से सहमत हूं। वास्तव में श्री पाल्मे शांति के समर्थक थे और उनमें न केवल स्वीडन के लोगों की आशायें और आकांक्षायें केन्द्रित थी बल्कि संपूर्ण शांतिप्रिय विश्व की आशायें और आंकाक्षायें उनमें केन्द्रित थी। हमारे देश के साथ उनके संबंध बहुत ही मधुर थे। संपूर्ण विश्व में शांति स्थापित करने के लिये उन्होंने हमारी सरकार के नेताओं के साथ मिलकर कार्य किया। सम्पूर्ण स्वीडनवासियों तथा विशेषरूप से श्रीमती पाल्मे के प्रति इस दुःख के समय में मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री ज़ार्ज जोसेफ मुण्डाकल (मुवत्तुपुजा) : अध्यक्ष महोदय, स्वीडन के प्रधानमंत्री श्री ओलोफ पाल्मे के दुःखद निधन पर हमारे नेताओं द्वारा व्यक्त की गयी शोक संवेदनाओं से मैं सहमत

हैं। उनकी हत्या से विश्व के शांतिप्रिय लोगों को एक धक्का लगा है। मैं कहता हूं कि वह हमारे देश के भी एक अच्छे मित्र थे। उनके निधन से हमारे देश को भी बहुत क्षति हुई है। हाल ही में उन्होंने हमारे देश का दौरा किया तथा वह शान्तिप्रिय देशों के चैम्पियन भी थे। आन्तकवाद चाहे हिन्दुस्तान में हो या हिन्दुस्तान के बाहर, हमें उसकी निन्दा करनी है।

हमने शांति का एक समर्थक खो दिया है। स्वीडन के प्रधानमंत्री के परिवार के प्रति हमारी सहानुभूति है तथा मैं प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यगण, स्वीडन के प्रधानमंत्री श्री ओलोफ पाल्मे के दुःखद निधन के अवसर पर आज हम यहां समवेत हुये हैं। विश्व के जाने-माने राजनीतिज्ञ के रुप में श्री पाल्मे भारत के एक महान मित्र थे। उनके निधन से विश्व के सर्वाधिक बुद्धिमान राजनीतिज्ञों में से एक राजनीतिज्ञ हमारे बीच से उठ गया है। शांति और स्वतंत्रता के कट्टर समर्थक के रूप में श्री पाल्मे ने परमाणु निरस्त्रीकरण के लिये छः राष्ट्रों के आह्वान में भारत का साथ दिया ताकि विश्व शांतिपूर्ण वातावरण में रह सके और प्रगति कर सके। श्री पाल्मे की मृत्यु से एक बार फिर यह बात सामने आ गई है कि राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये आतंकवाद को उखाड़ फेंकने की अनिवार्यता एवं आवश्यकता सामने आ गई। हम जानते हैं कि ये कितनी दुःखद बात है तथा आतंकवाद के प्रभाव का आप कैसा समझते हैं। हमें 1984 में इसका बुरा अनुभव हुआ जब हमारी प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या कर दी गई थी। श्रीमती गांधी की हत्या की गई तथा उसके बाद 1985 में धर्मात्मा पुरूष तथा मानवतावादी व्यक्ति श्री लोंगोवाल की आतंकवादियों द्वारा हत्या कर दी गई। इस तरह की हिंसा की घटनाओं की विश्व द्वारा निन्दा की जानी चाहिये क्योंकि हिंसा, लोकतंत्र या मानव स्वतंत्रता एक साथ नहीं रह सकते। इनमें परस्पर विरोध है। श्री पाल्मे न केवल यूरोपीय समाजवादी आन्दोलन के महान नेता थे बल्कि वह तृतीय विश्व के पक्के मित्र थे। सामाजिक न्याय, समानता मानव अधिकारों एवं विश्व शांति के लिये हर अवसर पर उन्होंने प्रयास किया।

श्री पाल्मे गत 30 वर्षों से यूरोप में एक विख्यात राजनैतिक व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। विश्व में निरस्त्रीकरण लाने तथा लोकतांत्रिक समाजवाद की स्थापना करने जैसे विभिन्न महान कार्यों के लिये भी पाल्मे ने संघर्ष किया और इसके लिये पूरे विश्व में लोगों द्वारा उनकी प्रशंसा की गई। ईराक और ईरान में युद्ध समाप्त करने के प्रयास करने के लिये श्री पाल्मे संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष दूत थे। संयुक्त राष्ट्र, महासचिव के शब्दों में 'अन्तराष्ट्रीय शांति और सहयोग के लिये उनका योगदान एक अविस्मरणीय धरोहर के रूप में जाना जायेगा'। श्री पाल्मे ने अफ्रीका के लोगों का विशेष रूप से रंगभेद नीति के विरूद्ध संघर्ष करने में समर्थन किया।

मुझे विश्वास है कि सभा इस महान नेता की मृत्यु पर श्रीमती पाल्मे तथा उनके परिवार के अन्य सैदस्यों की और स्वीडन की जनता को अपनी गहरी शोक संवेदना भेजने में सभा मुझसे सहमत होगी।

श्री पाल्मे के दुःखद निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिये कुछ क्षण के लिये सभा मौन खड़ी हो।

11.16 म०पू०

तत्पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर के लिये मौन खड़े हुए।

11.17 म०पू०

तत्पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 4 मार्च/1986 13 फाल्गुन, 1907 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

सनलाईट प्रिंटर्स, दिल्ली, फोन 233363